एक बार की बात है। एक कछुआ और दो
हंस आपस में बहुत अच्छे दोस्त थे।
एक साल बारिश बिलकुल नहीं हुई और
जिस तालाब में वे रहते थे वह सूख गया।
कछुए ने एक योजना बनाई और हंसों
से बोला, एक लकड़ी लाओ। मैं उसे बीच
में दाँतों से दबा लूंगा और फिर हम तीनों
किसी दूसरे तालाब में चले जायेंगे।
रास्ते में कुछ लोगों की नजर हंसों और
कछुए को लेकर उड़ चले। पर पड़ी वे
उत्साह में आकर चिल्लाने लगे, ये हंस
कितने चतुर हैं। अपने साथ कछुआ

को भी ले जा रहे है। कछुरा से रहा नहीं गया
वह उन लोगों को बताना चाहता था कि वो
यह विचार तो उसके मन मे आया था
वह बोल पड़ा औ मर गया